

PROF. (DR.) RAMASWAMI VENKATASWAMI

Prof. R. Venkataswami, is a famous surgeon who has made significant contribution in the field of Reconstructive Surgery, Hand Surgery and Micro Surgery. His contribution in these fields has touched the lives of thousands of workers and poor people in our country.

2. Born on January 10, 1933, Prof. R. Venkataswami's foremost contribution is in the field of trauma related to hand surgery. With increased mechanization, unfortunately thousands of these hands are being injured in the industries, on the roads, in the fields and in home surroundings. The loss of man hours, led to staggering economic lots to the country. To rehabilitate them. Prof. R. Vaikataswami pioneered a "Hand Injury Service" at Govt. Stanley Hospital in Chennai, Tamil Nadu which is the first of its kind in our country in the year 1973. In two decades he elevated this, “Hand Injury service” into a Research Institute of International Standards. Since then, this Institute for Research and Rehabilitation on Hand has treated over two lakhs injured hands. Academically it is well known across the globe and draws many visitors from various institutions from abroad.

3. Prof. Venkataswami pioneered the starting of the hand surgery as a new Post Graduate course in the year 1984 first of its kind in the country. The other contribution by him was establishing the First Micro Surgical Centre in India in 1979. The field of microsurgery is a land mark in the field of Reconstructive Surgery. To give impetus to this new field he brought all the micro surgeons in the country under one banner and formed the "Indian Society for Reconstructive Microsurgery" in 1992 and he was the Founder President.

4. Prof. R.Venkataswami also pioneered the formation of the "Brachial Plexus Surgery Group of India" to save thousands of paralyzed upper limbs due to motorcycle accidents and other causes. He became the Founder President of this group. After his retirement, he continued his work in the private sector. In the year 2003, he organized the National Institute of Reconstructive Hand Surgery, Micro surgery and plastic surgery at the Apollo First Med Hospital Chennai. He started the DNB course in Plastic Surgery at this Hospital.

5. Prof. R. Venkataswami has got various awards and recognitions such as the Hon. Fellow of Royal College of Surgeon Edinburg in the year 1991, elected as honorary member of the British Association of Plastic Surgery, several prestigious orations and lectures from UK and USA, Hon. DSc from Tamilnadu Medical University and Saveetha University, Chennai, visiting professor in Hand Surgery to the world famous Hand Surgery centre in Louistille USA in the year 1998, "Pioneer in Hand Surgery” at the international level by the International Federation of Hand Societies in 2005, “The Plastic Surgeon of the Year" by Association of Plastic Surgeons of India in the year 2014. He has taken over the Gandhiniketan Ashram at T.Kallupatti Madurai District Tamilnadu as its President since 2006. The Government of Tamilnadu recognised his services in the field of school education and conferred the" Kamarajar Award" in the year 2016.

पद्म श्री



प्रोफेसर डॉक्टर रामस्वामि वेंकटस्वामि

प्रो. डॉक्टर रामस्वामि वेंकटस्वामी एक सुविख्यात शल्य चिकित्सक (सर्जन) हैं। आपने रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी, हैण्ड सर्जरी और माइक्रो सर्जरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इन क्षेत्रों में आपके योगदान से हमारे देश में हजारों कामगारों और गरीब लोगों को फायदा हुआ है।

2. आपका जन्म 10 जनवरी, 1933 में हुआ था। आपका सबसे उल्लेखनीय योगदान हैण्ड सर्जरी से संबंधित ट्रॉमा के क्षेत्र में रहा। बढ़ते हुए मशीनीकरण के साथ ही दुर्भाग्यवश उद्योगों में, सड़कों पर, खेतों में और घरेलू परिवेश में हजारों लोगों के हाथ चोटिल हो रहे हैं। मानवशक्ति की हानि से देश की अर्थव्यवस्था को झटका लगा है। इनके पुनर्वास हेतु आपने चेन्नई, तमिलनाडु में राजकीय स्टेनली हॉस्पिटल में "हैण्ड इंजरी सर्विस" आरंभ की जो वर्ष 1973 में देश में अपने प्रकार की पहली सर्विस थी। दो दशकों में आपने अपनी इस "हैण्ड इंजरी सर्विस" को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संस्थान में विकसित कर दिया। तब से, इस इंस्टिट्यूट फॉर रिसर्च एंड रिहेबिलिटेशन ऑन हैण्ड ने दो लाख से अधिक हाथों का उपचार किया है। अकादमिक तौर पर यह संसार भर में विख्यात है और दुसरे देशों के विभिन्न संस्थानों से अनेक विज़िटर्स के आकर्षण का केन्द्र रहा है।

3. आपने वर्ष 1984 में हैण्ड सर्जरी को एक नए परा-स्नातक पाठ्यक्रम के रूप में आरंभ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो देश में अपने तरह का पहला पाठ्यक्रम था। आपका दूसरा योगदान वर्ष 1979 में भारत में प्रथम माइक्रो सर्जिकल सेंटर स्थापित करना था। माइक्रो सर्जरी का क्षेत्र रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के क्षेत्र में एक युगान्तकारी देन है। इस नये क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए आपने देश के सभी माइक्रो सर्जनों को एक बैनर के तले इकठ्टा किया और वर्ष 1992 में "इंडियन सोसाइटी फॉर रिकंस्ट्रक्टिव माइक्रोसर्जरी" का गठन किया। आप इसके संस्थापक अध्यक्ष रहे।

4. प्रो. आर. वेंकटस्वामी ने मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं और अन्य कारणों से लकवाग्रस्त हजारों ऊपरी अंगों को बचाने के लिए "ब्रैशियल प्लेक्सस सर्जरी ग्रुप ऑफ इंडिया" के गठन में भी अग्रणी योगदान दिया। आप इस समूह के संस्थापक अध्यक्ष बने। अपनी सेवानिवृत्ति के पश्चात आपने निजी क्षेत्र में अपना कार्य जारी रखा। वर्ष 2003 में, आपने अपोलो फर्स्ट मेड हॉस्पिटल, चेन्नई में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ रिकंस्ट्रक्टिव हैण्ड सर्जरी, माइक्रो सर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी की। आपने इस अस्पताल में प्लास्टिक सर्जरी में डीएनबी पाठ्यक्रम आरंभ किया।

5. आपको अनेक पुरस्कार/सम्मान प्राप्त हुए हैं। वर्ष 1991 में आप रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन एडिनबर्ग के ऑनरेरी फेलो बने। आप ब्रिटिश एसोशिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जरी के ऑनरेरी सदस्य के रूप में चुने गए। आपने यूके और यूएसए में विभिन्न प्रतिष्ठित व्याख्यान और भाषण दिए, आपको तमिलनाडु मेडिकल यूनिवर्सिटी और सवीता यूनिवर्सिटी, चेन्नई द्वारा मानद उपाधि प्रदान की गई, वर्ष 1998 में आप लोइस्टले यूएसए स्थित विश्व प्रसिद्ध हैण्ड सर्जरी सेंटर के अतिथि प्रोफेसर बने, वर्ष 2005 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ हैण्ड सोसाइटीज द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर "पायनियर इन हैण्ड सर्जरी", वर्ष 2014 में द एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन ऑफ इंडिया द्वारा आपको "द प्लास्टिक सर्जन ऑफ द इयर" से सम्मानित किया गया। आप वर्ष 2006 में तमिलनाडु के मदुरई जनपद के टी. कलुपट्टी स्थित गांधी निकेतन आश्रम के अध्यक्ष बने। तमिलनाडु सरकार ने आपको शिक्षा के क्षेत्र में आपकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया है और वर्ष 2016 में आपको "कामराज पुरस्कार" से नवाजा है।